<u>प्रक्षेत्र अनुभव प्रशिक्षण (एफईटी)</u>

भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के संयुक्त निदेशालय, प्रसार शिक्षा द्वारा बरेली जनपद के ग्राम हमीरपुर में ग्राम संगोष्ठी का आयोजन राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबन्ध अकादमी, हैदराबाद के 07 नवनियुक्त कृषि अनुसंधान सेवा वैज्ञानिकों से 19 दिवसीय प्रक्षेत्र अनुभव प्रशिक्षण (एफईटी) द्वारा किया गया। यह ग्राम संगोष्ठी एफईटी के समन्वयकडॉ रूपसी तिवारी, डॉ अनुज चौहान एवं डॉ बृजेश कुमार के नेतृत्व में आयोजित की गई. इसकेअतिरिक्त इस अवसर पर एक पशु चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 100से अधिक ग्रामीण कृषक एवं महिलाओं ने भाग लिया। नव नियुक्त वैज्ञानिकों द्वारा कृषि एवंपशुपालन सम्बन्धित परेशानियों को विस्तार से बताया तथा किसानों की समस्याओं का निराकरणकिया। उन्होंने किसानों की आमदनी को बढ़ाने के लिए कृषि एवं पशुपालन के साथ-साथ मधुमक्खीपालन, मशरूम पालन आदि को बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों द्वारा फलएवं सब्जी के पौधों तथा पशु रोगों से सम्बन्धित विभिन्न दवायें भी प्रदान की गयीं।

मुख्य अतिथि एवं संस्थान की संयुक्त निदेशक, प्रसार शिक्षा डा. रूपसी तिवारी ने बताया कि आईवीआरआई कृषक एवं पशुपालकों की सेवा में लगातार सेवा करता आया है तथा संस्थान द्वारा विकसित नवीन तकनीकों को पशुपालकों तक पहुँचाने के लिए विभिन्न पशु स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन कर रहा है जिससे इन शिविरों द्वारा पशु रोग का त्वरित निदान तथा किसानों एवं पशुपालकों को नवीन वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की जा सके।

उन्होंने आगे बताया कि अब किसानों की सुविधा के लिए आईवीआरआई ने ऑनलाइन पशु चिकित्सा क्लिनिक प्रारम्भ किया है जिसमें पशुपालक अपने पशु रोगों से संबंधित

ऑनलाइन परामर्श एवं चिकित्सा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने ग्रामीण युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि संस्थान द्वारा 90 डिप्लोमा, सार्टिफिकेट तथा वोकेशनल सार्टिफिकेट कोर्स प्रारम्भ किये गये हैं जिनका लाभ युवा पीढ़ी लेकर रोजगार का सजृन कर सकती है। उन्होंने किसानों एवं पशुपालकों से संस्थान से जुड़कर इससे लाभ लेने की सलाह भी दी।

ब्लाक प्रमुख श्री योगेश पटेल ने आईवीआरआई के वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान के वैज्ञानिक हमारे गाँवों में आकर अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं इसका हमें समुचित लाभ लेना चाहिए तथा हमें अपने पशुओं, खेती से सम्बन्धित समस्याओं को इनके सामने रखना चाहिए। उन्होंने परस्पर वैज्ञानिक संवाद की आवश्यकता बतायी तथा किसानों एवं पशुपालकों को संस्थान द्वारा विकसित तकनीकों को अपनाने पर बल दिया।

इससे पूर्व क्षेत्र के कार्यक्रम में डा. मोनिका झा, डा. आशुतोश फुल्लर, डा. सरवरनन के.ए., डा.अंजलि, डा. मृणाली प्रेरणा तथा डा. जगदीश गोइंका ने ग्राम हमीरपुर के किसानों एवं पशुपालकों की समस्याओं का समाधान किया।

इस अवसर पर डा. रंजीत सिंह, विषय विशेषज्ञ, कृषि विज्ञान केन्द्र कमलेश कुमार श्रीवस्तव, खंड विकास अधिकारी, श्री मंगलसेन, ग्राम प्रधान, श्री ओमप्रकाश, प्रगतिशील कृषक आदि उपस्थित रहे।